www.a2zSubjects.com

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________
(In words)

D 8 5 1 5

PAPER - III
KONKANI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 150**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

KONKANI
कोंकणी
PAPER - III
प्रश्नपत्र - III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

सुचोवण्यो : (i) ह्या प्रस्नपत्रांत वट्ट पाऊणशे **(75)** भौपर्यायी जापेचे प्रस्न आसात.

(ii) दर एका प्रस्नाचे सारके जापेक दोन **(2)** गुण दवरल्यात.

(iii) दर एका प्रस्नाची जाप ताचे सकयल दिल्लया (1), (2), (3) आनी (4) ह्या चार आंकड्यातल्या फावो त्या आंकड्याचेर कुरु करुन दिंवची.

(iv) सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो बरोंवच्यो.

1. 'गुणरहितं हि काव्यम् अकाव्यम् भवति' अशें काव्यगुणाच्या संदर्भात कोणे म्हळां ?

   (1) दण्डी (2) भरतमूनी (3) प्रतिहारेन्दुराजा (4) वामन

2. 'उल्लास हांवु घालतां काळजाचो,
   उगडास करुनु तुजो,
   हो उजवाड फारोलाचो,
   उतरीक्यांनी रे विंचिलो.'

   वयर दिल्लयो मांड्यातल्यो वळी कोणाच्या 'मांडो' बरपातल्यो आसात ?

   (1) तोर्कात फिगरेदीं (2) लिगोरियो द कोश्ता
   (3) कार्लुश त्रिंदाद दियश (4) जिझेलीन रेबेलां

3. कुंबळे न. नायक हांणी 'सावित्री-नाटक' __________ ह्या वर्सा बरोवन माचयेर हाडलें.

   (1) 1910 (2) 1911 (3) 1912 (4) 1913

4. 'एक नाद एक कुरु' या तत्वाचेर आदारिल्ली लिपी हांतूतली खंयची ?

   (1) कानडी लिपी (2) ब्राह्मी लिपी (3) देवनागरी (4) स्वनलिपी

5. नामचेचो साहित्यशास्त्रज्ञ 'अर्नाल्ड' हांच्या मत्तान -

   (1) गद्य आनी पद्य हांची शैली सोपी आसता.
   (2) गद्य आनी पद्य हांची शैली एकच आसना.
   (3) गद्य आनी पद्य हांच्या शैलीत मुळावो फरक आसता.
   (4) गद्य सरळ आनी पद्य अवघड आसना.

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

6. सकयल दिल्ली पुस्तकां तांच्यो प्रस्तावना आनी प्रस्तावना बरोवपी हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

'अ'		'ब'		'क'	
(a)	अणभवाच्या अर्काची कॅप्सूल	(i)	भोगदंड	(vi)	रवींद्र केळेकार
(b)	नव्या जाणीवांचो कथाकार	(ii)	म्हणी फाटली काणी	(vii)	डॉ. अरुण हेबळेकार
(c)	परबीं	(iii)	वळेसर	(viii)	उदय भेंब्रो
(d)	आशीर्वचन	(iv)	ऋतुमती	(ix)	पुंडलीक नायक
		(v)	खांवटें	(x)	माधव बोरकार

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)-(viii)	(v)-(ix)	(i)-(vii)	(iii)-(vi)
(2)	(iii)-(ix)	(i)-(x)	(ii)-(vii)	(iii)-(viii)
(3)	(iv)-(x)	(iii)-(vii)	(v)-(vi)	(i)-(vii)
(4)	(v)-(ix)	(ii)-(vi)	(i)-(viii)	(iv)-(x)

7. वाच्यार्थान __________ तरांनी उतरांचो अर्थ कळटा.

(1) दोन (2) आठ (3) पांच (4) तीन

8. **भिरांत**

'तुजे जळटे वेंगेंत
फक्त अेकदांच
जळून घेंवचें
आनी फाटल्यान
मरण येंवचें
भियेत .... भियेत ....!'

ही कविता हांतूतल्या कोणाची ?

(1) निलबा खांडेकार (2) माधव बोरकार (3) रमेश वेळुस्कार (4) बी.ई. मेंडिस

9. 'गोअ नोव्ह' हें साताळें पत्र कोणे संपादन केल्लें ?

(1) व्यंकटेश आळवेंकार (2) डॉ. ज्युलियांव मिनेझिस
(3) कृष्णा कारवार (4) लुईस मास्कारेन्यास

10. 'जेन्ना एक वो चड व्यंजना एकापरस चड फावट येतात तेन्ना __________ हो अलंकार जाता.

(1) लाटानुप्रास (2) छेकानुप्रास (3) वृत्यनुप्रास (4) अनुप्रास

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

11. ''कोंकणी आनी मराठी, ह्यो एकेच झरींतल्यान जरी आयिल्लयो भासो, तरी त्यो वेगळ्यो भासो जावन आसात. जश्यो पुर्तुगेज आनी स्पॅनिश वेगळ्यो आनी स्वतंत्र भासो जावन आसात.''

अशें कोंकणी भाशेविशीं कोणे म्हळां ?

(1) अेदुआर्द ब्रून द सौज (2) फेर्नांदु लेयाल (3) सु. मं. कत्रे (4) क्रिस्तोव्हांव पींतु

12. 'धि गोवा मेल' हें नेमाळें __________ ह्या वर्सा उजवाडा आयलें.

(1) 1919 (2) 1912 (3) 1915 (4) 1930

13. 'पोट्टं भरंति सउणा वि (अपि) माउअ अप्पणो अणुबिगा.।

पोटभरताति सवणी पासुनु मायानो। आपण विघ्न नासताना।।'

वयर दिल्ल्यो वळी खंयच्या काव्यसंग्रहांत आस्पावल्यात ?

(1) गोड्डे रामायण (2) कोंकणी मंदाकिनी

(3) गाहा सत्तसई (4) सोळाव्या शेकड्यांतलें कोंकणी महाभारत : आदि पर्व

14. 'कोंकणी समिक्षा–बरपांत साहित्यीक निकश लवचिकपणान लागू करपाची प्रवृत्ती दिसून येता.' अशें कोंकणी समिक्षेसंबंधी कोण म्हण्टा ?

(1) लक्ष्मणराव सरदेसाय (2) ऑलिव्हीन्यु गोमिश

(3) हरिश्चंद्र नागवेंकार (4) मनोहरराय सरदेसाय

15. गोंयांतल्या किरिस्तांव लोकांची सांस्कृतिक भूक भागोवपाचें काम __________ हो लोकनाट्य प्रकार करीत आयला.

(1) जागर (2) तियात्र (3) पेरणी जागर (4) खेळ

16. 'अ हायर कोंकणी ग्रामर' हें पुस्तक कोणाचें आसा ?

(1) पी.बी. जनार्दन (2) लेओनार्दु सिनामो

(3) पाद्री कारेल प्रिक्रीलूर (4) कामताप्रसाद गुरू

17. 'बोलीविज्ञान' बोली भाशांचो __________ अभ्यास करता.

(1) भोवभाशिकवार (2) शिस्तवार (3) निरिक्षण करुन (4) प्रयोग करुन

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

18. पयलें पुराय स्वरूपाचें संगीत कोंकणीनाटक कोणें बरयलें ? ताचें नांव किदें ?

(1) लुईस मास्कारेन्स हांचे 'आब्रावाचें यज्ञदान'

(2) उमानाथ डोंगर केरी हांचे 'वज्रमुकूट'

(3) बोळंतर कृष्ण प्रभू हांचे 'चंद्रहास'

(4) आचार्य रामचंद्र शंकर नायक 'म्हजो सर्गार आसल्लो घरकार'

19. 'शाकुंतल' ह्या संस्कृत नाटकाचो कोंकणी अणकार हांतूतल्या कोणे केलो ?

(1) यु. आर. अनंतमूर्ती

(2) डॉ. अनंत राम भट

(3) एम्. टी. वासुदेवन नायर

(4) गोकुळदास प्रभु

20. 'कवयित्री आनी तांच्या कवितेतल्यो 'वळी' हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

	'अ'		**'ब'**
(a)	प्रशांती तळपणकार	(i)	जेन्ना आमी पोक्यो बडायो विसरून हावेसान वावुरतले तेन्ना आमकां उजवाडाची गरज लागची ना.
(b)	प्रतिभा पै फोंडेकार	(ii)	तुमी म्हजीं सपनां पळोवं नाकात हरशी ना जाल्यारुय हांव तुमचे पसून पयसूच आनी म्हऱ्यांत आसूनय हांव तुमचेपसून पयस
(c)	नूतन साखरदांडे	(iii)	संवसाराच्यो बेड्यो घालून मंगळसुत्रान माल्लो गळयाक फांस
(d)	दीपा पै	(iv)	मियां एक गरीबाचा पोर आसा तुज्या मावशीकडल्यान तुका विकत घेवंक माझ्याहार पैसो जाय आसा

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

21. कर्नाटक राज्यांत __________ हांगासर अखिल भारतीय कोंकणी नाट्यमहोत्सव __________ ह्या वर्सासावन सुरु जालो.

(1) मंगळूर हांगासर, 1978 ह्या वर्सासावन (2) उडपी हांगासर, 1991 ह्या वर्सासावन

(3) होन्नावर हांगासर, 1992 ह्या वर्सासावन (4) कारवार हांगासर, 1975 ह्या वर्सासावन

22. 'गावडो म्हळ्यार गांवांत रचणूक करुन रावपी' अशें गावड्यांसंबंधी कोणे म्हळां ?

(1) फिलीप नेरी शावेर (2) का.दा. नायक

(3) अ.का. प्रियोळकार (4) ओलव्हीन्यु गोमीश

23. 'मनीस काडटा तो ध्वनी शब्दांच्या रूपान तरेतरेचे अर्थ घेवंक शकता देखून __________.

(1) मानवी भास शिकपाक कठीण आसता (2) मानवी भास रचपाक येना

(3) मानवी भास सदांच रचनात्मक आसता (4) मानवी भास सदांच उलौवपाक सोपी आसता

24. 'सगल्याच 'मानस' वेव्हारांचेर लोकमानसाचें नियंत्रण आसता.' अशें लोकवेदाच्या संबंधान कोणाचें मत आसा ?

(1) लाझारस (2) विलियम वुंट (3) स्टाईन्थाल (4) विलियम जॉन थॉम्स

25. 'मडवळ' हो निबंद खंयच्या निबंदसंग्रहातलो आनी कोणे बरयल्लो आसा ?

(1) 'मान्नी पुनंव – दत्ताराम सुखटणकार (2) हंसध्वनी – मुकेश थळी

(3) गिरमिट – राजय पवार (4) भूंयचाफी – शीला कोळंबकार

26. 'चिद्रूप सिद्धान्त' खंयच्या पाश्चात्य साहित्यशास्त्रज्ञान मांडला ?

(1) सॉक्रेटीस (2) प्लेटो (3) ॲरिस्टॉटल (4) हॉरेस

27. साहित्यशास्त्राच्या विकासांत __________ ह्या नांवान आशिल्लो काळ म्हळ्यार अभिनव गुप्तसावन भोजामेरेनचो काळ जावन आसा.

(1) निर्धारण काळ (2) परिष्कार काळ (3) घटनाकाळ (4) निर्मितीकाळ

28. फावो त्यो जोड्यो लायात.

	'अ'		**'ब'**
(a)	ह्यूम	(i)	इतिहासकार
(b)	गिबन	(ii)	अर्थशास्त्रज्ञ
(c)	बिशप बटलर	(iii)	तत्वज्ञ
(d)	ॲडम स्मिथ	(iv)	नीतिज्ञ
		(v)	साहित्यशास्त्रज्ञ

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(i)	(v)	(ii)
(2)	(v)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(v)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

29. मुकेश थळी हांच्या 'वळेसर' ह्या ललित लघुनिबंद संग्रहाची पयली उजवाडणी खंयच्या वर्सा जाली ?

(1) 10/5/1991 (2) 12/2/1995 (3) 15/3/1998 (4) 30/1/1992

30. 'काव्य हें धर्म वा तत्त्वगिन्यानापरस उंच थारूं येता' अशें काव्याविशीं कोणे म्हळां ?

(1) हेगेल (2) इमर्सन (3) फ्रेटो (4) अर्नोल्ड

31. पुस्तकाचें नांव आनी तांचें उजवाडणी वर्स हांचो फावो तो क्रम खंयचो ?

(1) अस्तुरीमृग, भायली गोडी, पसय, भोगदंड.

(2) पसय, भायली गोडी, अस्तुरीमृग, भोगदंड.

(3) पसय, अस्तुरीमृग, भायली गोडी, भोगदंड.

(4) पसय, भोगदंड, अस्तुरीमृग, भायली गोडी.

32. गोंयात गांवगाड्याच्यो म्हत्त्वाच्यो घटक आशिल्लयो तरेकवार जाती पळोवपांक मेळटात. तांका __________ ह्या नावांन वळखतात.

(1) बारा बलुतेदार (2) बारा म्हालगडे (3) बारा खळकुडवी (4) बारा गांवकार

33. 'काळी गंगा पात्र-प्रधान वा विशय-प्रधान कादंबरी न्हय ती जिवीत-प्रधान कादंबरी' अशें 'काळी-गंगा या कादंबरीविशी हांतूतल्या कोणे म्हळां ?

(1) प्रिया तडकोडकार (2) मनोहरराय सरदेसाय (3) हरिश्चंद्र नागवेकार (4) किरण बुडकुले

34. 'कविची तगमग कळूंक जाय रसिकांक
जाल्यार तेंका उपाय कितें ?
कवितेंत कालीज ओतप होच आनी कितें !'
वयर दिल्ल्यो कवितेंतल्यो वळी कोणाच्या कवितेतल्यो आसात ?

(1) काशि म्हण्टा (2) यमन (3) प्रकाश पाडगांवकार (4) शंकर रामाणी

35. ''मनशाची मेर मर्यादा, ताजें दुबळेंपण आनी ताजें अगतिकपण
हांचे पंडितांक बेस बरें भान आसा. पूण मनीस पेट्टकूच
हांचेरूय जैत जोडूक शकता, अशी तांची श्रद्धा. देखुनूच हांव
आसा थंय उजो अशी ललकारी ते घालतात ....''
कवीवर्य र.वि. पंडित हांच्याविशी वयर दिल्ली विधानां कोणे केल्यात ?

(1) राजय पवार (2) बाकीबाब बोरकार (3) सु.म. तडकोडकार (4) किरण बुडकुले

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

36. ‘चाबडायता’ हें चाबता ह्या मूळ क्रियापदाचें __________ रूप जाता.
(1) प्रयोजक रूप (2) प्रेरणार्थक रूप (3) दोडी प्रयोजक रूप (4) धातूपूर्व रूप

37. कोंकणीत ‘षू’ उच्चारांत घोळना. पुण तें __________ आसल्यार तशेच बरयतात.
(1) भाववाचकनाम (2) विशेशनाम (3) गुणवाचकनाम (4) संख्यावाचकनाम

38. ‘हो जोगाचो घोगो णव रसांनी भरिल्ले म्हाकाव्य.’ ह्या वाक्यान खंयचो अलंकार आसा ?
(1) अतिशयोक्ती (2) उत्प्रेक्षा (3) रूपक (4) दृष्टान्त

39. भारतीय भास-विचाराचो इतिहास वेदांच्या इतिहासा इतलोच पोरणो अशें म्हणू येता कारण –
(1) वेद; लोकांनी आपले एके पिळगेकड्यान दुसरे पिळगेळडेन पावयले.
(2) भारतीय भास-विचारान संवसाराक व्यासासारको विद्वान साहित्यिक दिली.
(3) भारतीय भास-विचारांचो अभ्यास करपी डॉ. भांडारकर हें जगाक वळखिचे जाले.
(4) भारतीय भास-विचारान संवसाराक पाणिनी सारके वज्र दिलां.

40. ‘__________’ ह्या रसाचो स्थायीभाव म्हळ्यार जुगुप्सा.
(1) हास्य (2) उत्साह (3) विस्मय (4) रति

41. भासविज्ञानात व्युत्पादक व्याकरणाचें पर्व कोणे सुरु केलें ?
(1) सोस्यूर (2) च्यॉमस्की (3) आत्वान मेय्ये (4) रोमान याकोप्सन

42. ‘खतखतें’ हो निबंद हांतूतल्या खंयच्या निबंदसंग्रहांत आस्पावला ?
(1) फुलां आनी फोगोल्यो (2) समिधा (3) वेंचिल्ले खीण (4) स्वाती

43. हांतूतली खंयची कविता ‘नयना आडारकार’ हांची आसा ?
(1) शिंव आनी कासव (2) फुलपाकुलें (3) सोंशाची मावशी (4) भांगराची कुराड

44. भारतीय साहित्यशास्त्रकार आनी तांचो काळ हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

	‘अ’		‘ब’
(a)	रूय्यक	(i)	1150 ते 1200
(b)	हेमचंद्र	(ii)	1045 ते 1075
(c)	क्षेमेंद्र	(iii)	1025 ते 1055
(d)	भोज	(iv)	1135 ते 1150
		(v)	1088 ते 1172

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(v)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iv)	(v)	(ii)	(iii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

45. सकयल दिल्लें खंयचें विधान चूक आसा ?

(1) अभिजातवादाची प्रतिक्रिया म्हण जो संप्रदाय तयार जालो ताका स्वच्छंदतावाद अशें म्हण्टात.

(2) मनरिजवणेखातीर तयार केल्ले साहित्य म्हळ्यार अभिजात साहित्य.

(3) जेन्ना साहित्यात अतिरेक जाता त्या साहित्याक अतिवास्तववादी साहित्य अशें म्हण्टात.

(4) अलंकारिक भास नासतना वस्तुनिष्ठपणान केल्लया साहित्याच्या वर्णनाक वास्तववाद अशें म्हण्टात.

46. हांतूतलें कर्तरी कर्मी वाक्य वळखात.

(1) हांव बाजारात चल्लो (2) हांवे आमो खाल्लो (3) हांव खूप वाचता (4) हांव थंय गडबडलों

47. 'ताका आयकूंक देवाचो भगत तसोच
बसलो, पण दुखां हिंपुट्यां निमर्ती
त्या नमशाच्यान, एकूय उतर पण
सांगू जायना जालें; तें भग्तान देखून,
ताजी भूजवण केली आनी ताका
संभोखून म्हणालें : आगा मनश्या,
तुज्यान जर उलोंव जायनां तर
घरा वच, आनी तुजी समेस्तां पातकां
एका कागदार बरय आनी म्हजे डे वेगीं
परतून यो.

वयर दिल्लो काव्यातलो वांटो खंयच्या काव्यांतलो आसा ?

(1) सांक्त आंतोनीची अचर्या (2) दौत्रीन क्रिस्तां

(3) देवाचीं अेकाग्र बोलणी (4) सगळ्या वरूसाचे वांजेल

48. 'म्हा-व्हड झुजाऱ्यांनी पांडवांच्या कालार
केल्यो किर्तीभरीत करण्यो रणा-मळार,
या कांय राय-कुळयेच्यांक आसच्यो खंती, आकांत
सिता-रामान भोगल्या बरी दंडक वनांत'

वयल्यो काव्यांतलो वळी कोंकणीच्या खंयच्या 'मोडी' ची देख आसा ?

(1) कोडयाळी (2) बारदेसी (3) मंगळूरी (4) अंत्रुजी

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

49. पाद्री ग्रासीयानु मोरायश हांणी कोंकणी व्याकरणाचेर लिज्बोव हांगा 400 पानांचो वावर __________ ह्या वर्सा उजवाडाक हाडलो.

(1) 1962 (2) 1961 (3) 1952 (4) 1951

50. सकयल दिल्लयो लोकगीतातल्यो वळी __________ जमातीच्या लग्न-कार्यात म्हण्टाले.

"देवळाफाटल्यो गोटलीणी
दारीं फुलल्यो शेंवतीणी
राम खुंटियो कळियो
लक्ष्मण भरियो झोळियो
उठ गे शिते, गांत गे माळा
झाला लग्नाचा वेळा.

(1) गांवकार (2) देसाय (3) सरदेसाय (4) गावडी-कुळंबी

51. सकयल दिल्लया विधानातली खंयची दोन विधानां बरोबर आसात ?

(a) देव-देवतेचे सवंग घेतिल्ले व्यक्तीक प्रत्यक्ष देवच मानपाची श्रद्धा आसा.
(b) नाट्यावांगडा नृत्य आनी संगीत हांचोय मेळ सादिल्लो आसता.
(c) नाटकांत मिथकथाच सादर केल्ली आसता.
(d) विधीनाट्य दरवर्सा सादर करताच अशें म्हणू नज.

(1) (a) आनी (b) (2) (b) आनी (d) (3) (a) आनी (c) (4) (b) आनी (c)

52. स्वामी रंगनाथानंदांच्या भाशणांचो 'अेक अवतारिका भगवद् गीतेक' ह्या नांवान __________ह्या वर्सा अणकार केला.

(1) 1981 (2) 1987 (3) 1985 (4) 1983

53. सिरिल सिक्वेरा हांच्या विनोदी बरपांच्यो उजवाडणेच्या वर्साप्रमाण क्रम लायात.

(1) कुचिल्यो, मस्किऱ्यो, गृहचार, फोकाणां (2) गृहचार, फोकाणां, कुचिल्यो, मस्किऱ्यो
(3) फोकाणां, कुचिल्यो, गृहचार, मस्किऱ्यो (4) गृहचार, कुचिल्यो, मस्किऱ्यो, फोकाणां

54. धार्मिक स्वरूपाच्या बरपाचें बरोवपी, तांच्या पुस्तकाचें नांव आनी उजवाडणी वर्स हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

	'अ'		'ब'		'क'
(a)	जी. कमलाम्मा	(i)	श्रीकृष्ण भक्ती	(vi)	1950
(b)	आर.सि. शर्मा	(ii)	सारस्वत कीर्तनमाला	(vii)	1948
(c)	वेदवती अम्मला	(iii)	पात्रपरितम	(viii)	1952
(d)	इंद्रकांत शर्मा	(iv)	भजन मालिका	(ix)	1930
		(v)	भाशा गणमंजरी	(x)	1962

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)-(ix)	(iv)-(vi)	(i)-(x)	(ii)-(viii)
(2)	(ii)-(viii)	(i)-(vi)	(iv)-(ix)	(v)-(vii)
(3)	(iii)-(x)	(v)-(ix)	(iv)-(vii)	(ii)-(vi)
(4)	(iv)-(vii)	(iii)-(vi)	(i)-(ix)	(v)-(viii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

55. "__________ " ही नवल-काणी इल्ली सदळ जाल्या पुण पुर्तुगेज गोंय सोडून वच्चे आदल्या निमण्या-शा दिसांनी जियेतल्या कांय लोकांचे जिणेचेर उजवाड घालपाचो येत्न करता." अशें खंयच्या नवलकाणेसंबंदान ऑलिव्हीन गोमीश हांणी म्हळां ?

(1) नखलामी (2) पाखलो (3) कारमेलीन (4) आंजेल

56. 'रामग्याली वागा भोंवडी' हें भुरग्याखातीर बरयल्लें पुस्तक कोणाचें ?

(1) लक्ष्मणराव सरदेसाय (2) पुरुषोत्तम सिंगबाळ

(3) पुंडलीक नायक (4) शांताराम हेदो

57. येवरोपातले जाणकार, भोंवडेकार जे भारतात आयले तांतले पयले वयले कर्नाटकातल्या कोंकणी भाशेक बोली म्हणनासतना 'कोंकणी भास' म्हण्टात. तांचे नाव जावन आसा __________.

(1) वॉल्टर इलयट (2) फ्रांसिस हॅमिल्टन बकनान

(3) रिचर्ड बर्टन (4) अर्सकीन पेरी

58. 'संन्याशी उपगुप्त

मथुरेच्या तटासरी

आसलो न्हिदून सूस्त

पुसल्यो वाऱ्यान दिव्यां-वळी

सगल्या दारां लागली खिळी

स्त्रावण-मळब कुपान बळी

तारको जाल्यो लुप्त बळी

वयर दिल्लया रवींद्रनाथ टागोरांच्या कवितेचो अणकार कोणे केला ?

(1) रामचंद्र प्रभू चोडणेकर (2) बाकीबाब बोरकार

(3) शांताराम हेदो (4) पांडुरंग भांगी

59. 'श्रीनिवास' ही नवलिका हांतूतल्या खंयच्या प्रकाशनान उजवाडा हाडल्या ?

(1) बिंब प्रकाशन (2) अपुर्बाय प्रकाशन (3) कुळागर प्रकाशन (4) जाग प्रकाशन

60. 'म्हज्या जिवितांतलीं चरित्रा' हे जो.सा. आल्वारिस हांचे' पुस्तक साहित्याच्या खंयच्या प्रकारात मोड्टा ?

(1) चरित्र (2) आप-जीण (3) नवल-काणी (4) प्रवास वर्णन

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

61. नारायण नरसिंह पै हांणी खंयच्या वाठारांत मोठ्या प्रमाणांत नाटकां सादर केल्यात ?

(1) केरळ (2) कर्नाटक (3) कारवार (4) गोंय

62. ‘समग्र शणै गोंयबाब, खंड 2 ह्या ग्रंथाची ‘प्रस्तावना’ हांतूतल्या कोणे बरयल्या ?

(1) रवींद्र केळेकर (2) शांताराम वर्दे वालावकर

(3) पुंडलीक नायक (4) मनोहरराय सरदेसाय

63. ‘ते-वेळचें सगळें गिन्यान ताणें आपलेशें केले.

तत्वविद्या आनी इतिहास हांतूत तो पाटांगडो जालो.

ताची चळणूकूय देख घेसारखी भोव बरी आसली, म्हणपाचे

ते कोलेंजीतल्या रजिस्तारावेल्यान समजता !

हे खंयच्या साहित्यकृतीतले वर्णन आसा ?

(1) पुण्यात्मो राम कामती (2) आबे फारीय

(3) माणुसकीचो ताज जमनालाल बजाज (4) पैगंबर

64. पुर्तुगेजांनी गोंयकारांच्या मानसिक गुलामगिरीपासत अशीं आगळीं वेगळीं साधनां वापरली जाका लागून :

(1) आमच्या लोकांची राष्ट्रीयत्त्वाची भावना होगडावन गेली आनी तांच्या सबावांतय बदल घडलो.

(2) आमचे लोक पुर्तुगेज सरकाराचे गुलाम जावन पुर्तुगालाकच सासणाचे रावपाक लागले.

(3) आमचे लोक गोंय सोडून भारताच्या हेर राज्यांनी स्थलांतरीत जावपाक लागले.

(4) आमच्या लोकांक आपली मायभास हीणपणाची दिसूक लागून ते तिचो दुस्वास करपाक लागले.

65. सकयल दिल्या विधानातले खंयचे विधान चूक आसा ?

(1) वाक्यांत दोन केंद्रां आसतात कर्तो आनी क्रियापद

(2) कर्माप्रमाण क्रियापदाचें रूप थारतलें जाल्यार वाक्यांत कर्म आसूक जाय

(3) कर्माप्रमाण क्रियापदाचें रूप थारतालें जाल्यार काळ पूर्ण आसूक जाय

(4) वाक्यांत कर्म आसता तेन्ना काळ अपूर्ण आसाल्यार कर्मा प्रमाण रूपां थारायता.

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

66. ‘आयज कोंकणी कथेच्या क्षितिजाचेर आपणाल्या स्वयंभू तेजान तळपुपी दोन सुर्या आमका घणघणीत दिश्टी पडटा.’ अशें भौ. दामोदर मावजो कोणा कथाकारांच्या संदर्भात म्हण्टा ?

(1) पुंडलीक नायक आनी दामोदर मावजो

(2) गजानन जोग आनी महाबळेश्वर सैल

(3) चंद्रकांत केणी आनी महाबळेश्वर सैल

(4) ओलिव्हीन गोमीश आनी चंद्रकांत केणी

67. सकयल दिल्ली खंयची विधाना बरोबर आसात ?

(a) एक वा एकापरस चड भासो एकेच लिपींत बरयतात.

(b) एकच भास एका परस चड लिपींनी बरयतात.

(c) उलयतात त्यो सगळ्यो भासो बरयतात अशें ना

(d) भास उलोवपा खातीर आसता.

(1) (a) आनी (b) (2) (c) आनी (d)

(3) (a) आनी (c) (4) (a), (b), (c) आनी (d)

68. अणकार आनी अणकारपी हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

	‘अ’		**‘ब’**
(a)	उत्तरेदिकाच्यो वणत्यो	(i)	रा.ना. नायक
(b)	गीता-प्रवचनां	(ii)	सौ. रेवती कालेलकार
(c)	देव आनी मनीस	(iii)	हेमा नायक
(d)	ताठ कणो	(iv)	बाकीबाब बोरकार
		(v)	प्रकाश थळी

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(v)	(iv)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(i)	(v)	(iii)
(3)	(ii)	(i)	(v)	(iii)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

69. ‘साहित्य म्हळ्यार जीविताची आलोचना’ अशें हांतूतल्या कोणे म्हळा ?

(1) होमर (2) मॅथ्यू ऑर्नाल्ड (3) कॉलरिज (4) लॉन्ज्याइनस

70. ‘वक्रोक्ती जीवित:’ हे मत हांतूतल्या कोणाचे ?

(1) वामन (2) आनंदवर्धन (3) कुंतक (4) विश्वनाथ

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

सकयल दिल्लो उतारो वाचून ताच्या सकयल दिल्लया प्रश्नांच्यो जापो दियात :

'यमन' चाळटना कविवर्य टागोरां सावन 'अज्ञेय' वा महादेवी वर्मा धरिल्ले ते डब्ल्यू. बी. येटस् सावन शेली वा कीट्स मेरेन कितलेशे अज्ञाताचे पुजारी मनांत उफेतात. कवीलें सैमवर्णन अशें रंगतदार, रोसाळ आनी जीवें आसता की भा.रा. तांबे आनी वर्डस्वर्थ वांगडाच याद जातात. स्वच्छंद कल्पनाशक्तीचो हो सुगम भासपी पूण गहन असो उलो खरेपणान आत्म्याचोच उद्गार कसो दिसता. ताका जें आध्यात्मीक वलय आसा ताका लागून तर ह्या आत्मोद्गाराक 'उद्गीथ' म्हणचें काय दिसता. 'शेजारची व्हंकल कुड्डी' ह्या न्यायान कोणाकय ह्या विश्लेशणांत अतिशयोक्तिचो वा अतिप्रशंसेचो गुण दिसुंये पूण दरेक कवितेचें सुक्षीम आनी तटस्थ विवेचन करुनच हें मत्त घडलां. ह्या मता-फाटल्यान बारकायेन केल्ले निरीक्षणय आसा. काव्याशय, काव्य-प्रतिभा, काव्य-दृष्टी आनी काव्य-कळा सगल्या नदरेन ही कविता गिरेस्त आसा. तिची प्रतिभा आनी कल्पनाशक्तच सशक्त आसा अशें ना, जाल्यार प्रतिभेचो आविश्कारय जिवसाणयुक्त, विविधतापुराय तंत्रावरवीं जाला. चेतना आनी वाढ हे् सैमीक गुण दरेक प्रति मे फाटल्यान वावुरतात.

'यमन' ह्या संपूर्ण झेल्याचो विचार करतना संगीत अंतर्मनांत बाळगुपी कविले कवितेची एक खाशेली वट नदरेंत भरता. ह्या अंतर्मुख कवीक आत्ममग्नतायें तूय पुरायेन धादोशीं गावना. तरल आत्मानुभूति भेटूनय परमानुभूतिक तो आंवडेता ह्या परम सोदा फाटल्यान वाचप्याक उत्सुकताये परस उत्कटताय आनी उमेदी परसय अपरिहार्यताय चड जाणवता. जिवितांत धादोसकाय फावूनय कवी धादोशी ना, जिणेचो आनंद चाखूनय तो तृप्त ना, ऐहीक सौंदर्याचो आस्वाद घेवनय ताचें सौंदर्यासक्त मन पारलौकिक सुंदर वटयां झोपय घेता.

आत्मलीन अशा ह्या कवितेंत मोग आनी विरह हे दोन निरंतर यथार्थ वावुरतात. तेच हे कविते चे स्थायी भाव. सौंदर्य आनी भक्ती हांचें रूप धारण करपी हे भावच ह्या कवितेचे व्हांवतेचे वझरे. हे वरवींच, मूर्त सुंदराकडल्या अमूर्त चिरंतनाकडेन, साकाराकडल्यान निराकाराकडेन तशेंच ज्ञानांतल्यान अज्ञाताकडेन वचपी संवेदन शिलतेचें प्रकटीकरण 'यमना' त जालें दिसता. सौंदर्य हेंच 'यमनां'त ल्या कवितेचें साधन आनी साध्य; तेंच आस्वाद्य आनी तेंच आराध्य. देखून तें जितलें नश्वरांत कवीक मेळटा तितलेंच ईश्वराचे सासायेंतय ताका भट्टा. हें सौंदर्य केन्ना मोग जाता, केन्ना वात्सल्य; केन्ना आपुलकाय; केन्ना तें हाव आनी तूं ह्या निमित्यमात्र बिंदूवरवीं कवितेंत पाझरता पूण मुळांत कवी खातीर तें अद्वैतच आसा काय दिसता. निरंतर आत्मसोदाचें व्रत घेतिल्ल्यावरी ही कविता हांवांतल्यान हांवापेल्यान तळपेता. देखूनच ती खिणा खिणाक अनामिकाची आळवणी करता. ही आळवणी जाका आफुडटा ताकाच अनाकलनीय अनुभूतिचो आत्मस्पर्शी साक्षात्कार 'यमना' वरवीं घडूंक पावता.

71. 'यमन' चाळटना भा.रा. तांबे आनी वर्डस्वर्थ वांगडाच याद जातात अशें बरोवप्यान किदयाक म्हळा ?

(1) ह्या झेल्यात स्वच्छंद कल्पनाशक्तीचो सुगम उद्गार भासता देखून.

(2) ह्या झेल्याक आध्यात्मिक वलय आसा.

(3) कवीले सैम वर्णन रंगतदार, रोसाळ आनी जीवें आसता.

(4) कवील्या आत्मोद्गाराक 'उद्गीथ' म्हणचें अशें दिसता.

72. दरेक प्रतिमे फाटल्यान __________ .

(1) प्रतिभा आनी कल्पनाशक्त आसता

(2) चेतना आनी वाड आसता

(3) रोसाळ आनी जीवें मन आसता

(4) अतिशयोक्ती आनी अतिप्रशंसा आसता

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

73. कवीली खाशेली वट खंयची ?

(1) उत्सुकताये परस आशिल्ली उत्कटताय आनी उमेद.

(2) जिवितांत धाधोसकाय फावूनय जाल्ली धादोशी.

(3) आत्ममग्नतायेंत ना मेळिल्ली धादोशी.

(4) ऐहीक सौंदर्याचो आस्वाद घेवपी मन.

74. जितलें नश्वरांत कवीक मेळटा तितलेंच ईश्वराचे सासायेंतय ताका भेट्टा ते किदें ?

(1) आराध्य (2) साद्य (3) साधन (4) सौंदर्य

75. 'यमना'त ली कविता खिणाखिणांत अनामिकाची आळवणी करता कारण __________.

(1) हे कवितेंन निरंतर आत्मसोदाचें व्रत घेतलां

(2) हे कवितेंत ईश्वराचो साक्षात्कार भेट्टा

(3) ही कविता मूर्न सुंदराकडल्यान अमूर्त सुंदराकडेन वता

(4) कवितेंत अनाकलनीय अनुभूतीचो आत्मस्पर्श आसा

- o 0 o -

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com